स्नातकोत्तर कला कार्यक्रम (एम0ए0)

Master of Arts Programme (M.A.)

कार्यक्रम कोड/Programme Code	:	201	कार्यक्रम अवधि (वर्षों में) Programme Duration (in yrs.)	:	न्यूनतम Minimum	:	2 2	अधिकतम Maximum	:	4 4
कार्यक्रम माध्यम/Medium of Instruction	:	हिन्दी/Hindi	कार्यक्रम शुल्क प्रतिवर्ष/ Programme Fee Per Year	:	7000+200/-					
प्रवेश हेतु न्यूनतम अर्हता/ Minimum Qualification for Admission	:	स्नातक (तीन वर्षीय)/Three years Bachelor Degree	अधिन्यास कार्य/Assignment Work	:	आवश्यक/Essential					

(M.A.-HISTORY) (MAHY)

परास्नातक (इतिहास)

<table>
<tr><th colspan="6">Post Graduate Programme Courses(Total 72 Credits)</th></tr>
<tr><td>1st Semester</td><td colspan="2">Paper Code</td><td colspan="2">Papers</td><td>Credit</td></tr>
<tr><td></td><td colspan="2">MAHY-101</td><td colspan="2">प्राचीन एवं मध्यकालीन समाज
Ancient and Medieval Societies</td><td>06</td></tr>
<tr><td></td><td colspan="2">MAHY-102</td><td colspan="2">आधुनिक विश्व–भाग–1
Modern World part-1</td><td>06</td></tr>
<tr><td></td><td colspan="2">MAHY-103</td><td colspan="2">आधुनिक विश्व भाग–2
Modern World part-2</td><td>06</td></tr>
<tr><td>2nd Semester</td><td colspan="2">MAHY-104</td><td colspan="2">इतिहास दर्शन एवं लेखन
Historiography</td><td>06</td></tr>
<tr><td></td><td colspan="2">MAHY-105</td><td colspan="2">भारत में धार्मिक विचारधारा एवं आस्था
Religious Thoughts and Beliefs in India</td><td>06</td></tr>
<tr><td></td><td colspan="2">MAHY-106</td><td colspan="2">भारतीय पारिस्थितिकी एवं पर्यावरण का इतिहास
History of Ecology and Environment -India</td><td>06</td></tr>
<tr><td>3rd Semester</td><td colspan="2">MAHY-107</td><td colspan="2">भारत की राजनैतिक संरचना–भाग–1
Political Structures of India part-1</td><td>06</td></tr>
<tr><td></td><td colspan="2">MAHY-108</td><td colspan="2">भारत की राजनैतिक संरचना–भाग–2
Political Structures of India-Part-2</td><td>06</td></tr>
<tr><td></td><td colspan="2">MAHY-109</td><td colspan="2">भारतीय अर्थव्यवस्था का इतिहास
History of Indian Economy</td><td>06</td></tr>
<tr><td>4th Semester</td><td colspan="2">MAHY-110</td><td colspan="2">आदिकाल के भारतीय सामाजिक संरचना का क्रमिक विकास
Evolution of Social Structures in India through ages</td><td>06</td></tr>
<tr><td></td><td colspan="2">Group-1
Papers | Credit</td><td rowspan="3">OR</td><td>Group-2
Papers | Credit</td><td rowspan="3">12</td></tr>
<tr><td></td><td>MAHY-111</td><td>प्लासी से विभाजन तकःआधुनिक भारत का इतिहास
Palassi se Vibhajan tak Adunik Bharat ka Itihas | 06</td><td>Paper code:113 Dissertation | 06</td></tr>
<tr><td></td><td>MAHY-112</td><td>विश्व की प्राचीन सभ्यताएं
Ancient world civilizations | 06</td><td>Paper code:114 Dissertation Based viva-voce | 06</td></tr>
<tr><td colspan="5">Total Credits</td><td>72</td></tr>
</table>

MAHY-101-First Semester

(First Paper)

एम.ए.एच.वाई–101–प्राचीन एवं मध्यकालीन समाज

(MAHY-101- Ancient and Medieval Societies)

खण्ड–1– मध्यकालीन समाज एवं क्रान्ति का युग–1

इकाई–1 यूरोप में सामन्तवाद का क्रमिक विकास।

इकाई–2 यूरोप में मध्यकालीन राजनीतिक विचारधारा और राजनैतिक संगठन।

इकाई–3 सामन्तवाद की श्रेणियॉ एवं स्वरूप।

इकाई–4 टर्की की राजनीति, अर्थव्यवस्था और समाज।

इकाई–5 मध्यकालीन यूरोप समाज का पतन।

खण्ड–2 मध्यकालीन समाज एवं क्रान्ति का युग–2

इकाई–6 यूरोप में 18वी शताब्दी में कृषि व्यवस्था।

इकाई–7 18वी शदी में यूरोप के कृषक विद्रोह।

इकाई–8 नगरों व शहरों का विकास एवं यूरोप में नगरीकरण।

इकाई–9 कारखाना एवं श्रमजीवी वर्ग।

खण्ड–3 मध्यकालीन समाज एवं क्रान्ति का युग–3

इकाई–10 यूरोप में औद्योगिक अर्थव्यवस्था–कृषि और उद्योग, व्यापार और व्यापारिक संघों के मध्य संबन्ध।

इकाई–11 उदारवाद और यूरोप में संवैधानिक विकास।

इकाई–12 18वीं सदी में यूरोप का धार्मिक एवं बौद्धिक जीवन।

इकाई–13 औद्योगिक क्रान्ति।

खण्ड–4 मध्यकालीन समाज एवं क्रान्ति का युग–4

इकाई–14 औद्योगिक के बाद।

इकाई–15 फ्रांस की क्रांन्ति–राज्य का स्वरूप एवं बुद्धिजीवी वर्ग और क्रान्ति।

इकाई–16 फ्रांस की क्रान्ति का प्रभाव।

इकाई–17 नेपोलियन का युग।

खण्ड–5 मध्यकालीन समाज एवं क्रान्ति का युग–5

इकाई–18 रूस की अर्थव्यवस्था–एक पृथक संसार।

इकाई–19 अमेरिकी स्वतंत्रता संग्राम। ,

इकाई–20 अमेरिकी क्रान्ति का महत्व।

इकाई–21 अमेरिकन संविधान का निर्माण।

MAHY-102-First Semester

(Second Paper)

एम.ए.एच.वाई.102–आधुनिक विश्व–भाग–1

(MAHY-102- Modern World -part-1)

खण्ड–1 राष्ट्रवाद, पूँजीवाद एवं समाजवाद–1

इकाई–1 मैटर्निख व्यवस्था तथा काग्रेस की कूटनीति।

इकाई–2 यूरोप में 1830–70 ई0 के मध्य कृषि विस्तार।

इकाई–3 पूर्वी समस्या एवं क्रिमिया का युद्ध।

इकाई–4 इटली का एकीकरण।

इकाई–5 जर्मनी का एकीकरण।

खण्ड–2 राष्ट्रवाद, पूँजीवाद एवं समाजवाद–2

इकाई–6 पूर्वी यूरोप में राजनीतिक व राष्ट्रवादी संघर्ष (1856–1878ई0)।

इकाई–7 ग्रेट ब्रिटेन, जर्मनी और फ्रान्स के संवैधानिक सुधारों और समाजवादी, आन्दोलनों का तुलनात्मक अध्ययन।

इकाई–8 रूस में राजनैतिक और आर्थिक आन्दोलन ,अर्द्वदास प्रथा के अन्त तक।

इकाई–9 यूरोप में नवीन शासन–तन्त्र।

खण्ड–3 राष्ट्रवाद, पूँजीवाद एवं समाजवाद–3

इकाई–10 यूरोप में सामाजिक विचारधारा और संस्कृति।

इकाई–11 संधियों और समझौतों की पद्धति महाद्वीपीय उच्चता की राजनीति (1878–1890)।

इकाई–12 महान शक्तियों में विश्व सर्वोच्चता के लिए प्रतिस्पर्धा।

इकाई–13 सुदूर पूर्व में जापान का उत्थान।

इकाई–14 साम्राज्यवाद–चीनी और भारतीय साम्राज्यवाद का अध्ययन उसका स्वभाव विकास।

इकाई–15 साम्राज्यवाद : मिस्त्र, दक्षिण अफ्रीका तथा मोरक्को के सन्दर्भ में।

खण्ड–4 राष्ट्रवाद, पूँजीवाद एवं समाजवाद–4

इकाई–16 बाल्कन में उथल–पुथल व उत्तेजना (बाल्कन युद्ध) 1878–1914

इकाई–17 चर्च और राज्य के सम्बन्ध।

इकाई–18 टर्की में समाज सुधार व युवातुर्क आन्दोलन।

इकाई–19 अमेरिका में काले लोगों का इतिहास।

खण्ड–5 राष्ट्रवाद, पूँजीवाद एवं समाजवाद–5

इकाई–20 प्रथम विश्व युद्ध के कारण व उसकी पृष्ठभूमि।

इकाई–21 रूसी क्रान्ति की बौद्धिक नींव।

इकाई–22 रूसी क्रान्ति एवं इसका प्रभाव।

इकाई–23 लेनिन : आन्तरिक तथा विदेशी नीति।

MAHY-103-First Semester

(Third Paper)

एम.ए.एच.वाई.–103–आधुनिक विश्व–भाग–2

(MAHY-103 -Modern World part-2)

खण्ड–6 युद्ध एवं औद्योगिक समाज (1917–1945)–1

इकाई–1 सन् 1918–1919 रूपान्तरण और पेरिस समझौता सम्मेलन।

इकाई–2 सामूहिक सुरक्षा और निःशस्त्रीकरण।

इकाई–3 फ्रांस द्वारा सुरक्षा की खोज।

इकाई–4 आर्थिक थकान–क्षतिपूर्ति की समस्या।

इकाई–5 राष्ट्र संघ और अन्तर्राष्ट्रीय शान्ति व्यवस्था एवं व्यवस्था का उत्थान और पतन।

खण्ड–7 युद्ध और औद्योगिक समाज(1917–1945)–2

इकाई–6 समझौता द्वारा शान्ति स्थापन–लोकार्नो एवं पेरिस समझौता।

इकाई–7 समझौता द्वारा शान्ति स्थापन–वाशिंगटन सम्मेलन।

इकाई–8 नवीन टर्की का जन्म–मुस्तफा कमालपाशा।

इकाई–9 नव–गणतन्त्र वाईमर गणतन्त्र।

इकाई–10 समाजवाद का सिद्धान्त मार्क्स लेनिन एवं माओत्सेतंग।

खण्ड–8 युद्ध और औद्योगिक समाज (1917–1945)–3

इकाई–11 सोवियत संघ का नवीन संविधान।

इकाई–12 लेनिन की नई आर्थिक नीति एवं नवीन आर्थिक विचार पर केंज के सिद्धान्त।

इकाई–13 विश्व व्यापार का संकुचन एवं 1929–31 में गिरावट।

इकाई–14 गॉधी दर्शन एवं अहिंसात्मक आन्दोलन।

खण्ड–9 युद्ध एवं औद्योगिक समाज (1917–1645)–4

इकाई–15 सामाजिक असन्तोष और मजदूर विद्रोह।

इकाई–16 संयुक्त राज्य अमेरिका की अर्थव्यवस्था की सफलता व असफलता रूजवेल्ट की न्यू डील नीति।

इकाई–17 चतुर्थ विश्व की अर्थव्यवस्था सुदूरपूर्व में जापान का उत्कर्ष।

इकाई–18 अन्तर्राष्ट्रीय कोमिन्टर्न पैक्ट तथा सोवियत विदेश नीति।

इकाई–19 फासिस्ट राज्य।

खण्ड–10 युद्ध एवं औद्योगिक समाज (1917–1945)–5

इकाई–20 विश्व राजनीति में नाजियों के उददेश्य।

इकाई–21 अर्द्व सशस्त्र क्रान्ति –आस्ट्रिया का अन्त।

इकाई–22 समझौतों हमलों की घोषणा–1939 में शान्ति का विनाश।

इकाई–23 अफ्रीका संकट–अबीसीनिया का मुद्दा।

इकाई–24 स्पेन का गुह युद्ध और द्वितीय विश्व युद्ध की पृष्ठभूमि में महान युद्ध नीतियॉ।

MAHY-104-Second Semester

(Fourth Paper)

एम.ए.एच.वाई.–104–इतिहास दर्शन एवं लेखन

(MAHY-104-Historiography)

प्रथम खण्ड–ऐतिहासिक चिन्तन–1

इकाई–1 इतिहास का स्वरूप तथा क्षेत्र।

इकाई–2 इतिहास प्रगति के समरूप।

इकाई–3 इतिहास, विज्ञान और नैतिकता।

इकाई–4 इतिहास और समाज विज्ञान निश्चयात्मक अभिगम।

द्वितीय खण्ड–ऐतिहासिक चिन्तन–2

इकाई–5 चीनी इतिहास लेखन की भूमिका और उसका स्वरूप।

इकाई–6 अरबी एवं इस्लामी इतिहास लेखन की परम्पराएँ।

इकाई–7 ईसाई धर्म एवं इतिहास चिन्तन।

इकाई–8 रॉके के विशेष सन्दर्भ में, इतिहास दर्शन की निश्चयात्मक अभिगम।

इकाई–9 इतिहास की भौतिकवादी व्याख्या–मार्क्सवादी सिद्वान्त।

तृतीय खण्ड–ऐतिहासिक चिन्तन–3

इकाई–10 20वी शताब्दी की इतिहास लेखन : स्पैंगलर एवं टायन्बी के सन्दर्भ में।

इकाई–11 महाकाव्य, कौटिल्य का अर्थशास्त्र व भास के साहित्य की ऐतिहासिक विवेचना।

इकाई–12 कालिदास–साहित्य, पुराण व हरिषेण की प्रयाग प्रशस्ति की ऐतिहासिक विवेचना।

इकाई–13 फाह्यान, युवानच्वांग और ईत्सिंग की भारत यात्रा वृत्तांत।

चतुर्थ खण्ड–ऐतिहासिक चिन्तन–4

इकाई–14 बाबरनामा, अकबरनामा तथा सुजन राय भण्डारी की कृति खुला सतुन्तवारीख।

इकाई–15 राजस्थान का ख्यात एवं बात साहित्य।

इकाई–16 गुजराती रासमाला साहित्य का ऐतिहासिक महत्व।

इकाई–17 भारतीय इतिहास एवं इतिहास लेखन का यूरोपीय मत।

इकाई–18 पूर्व भारत में राष्ट्रवादी इतिहास लेखन : आर0 सी0 दत्त एवं दादा भाई नौरोजी।

पंचम खण्ड–ऐतिहासिक चिन्तन–5

इकाई–19 भारतीय इतिहास लेखन में अधुनातन प्रवृत्तियॉ–परम्परावादी, सम्प्रदायवादी, राष्ट्रवादी तथा मार्क्सवादी।

इकाई–20 भारतीय लोक साहित्य का ऐतिहासिक दृष्टि से महत्व।

इकाई–21 इतिहास में तथ्य।

इकाई–22 इतिहास में वस्तुनिष्ठता।

इकाई–23 इतिहास में कारण की अवधारणा

MAHY-105-Second Semester
(Fifth Paper)

एम.ए.एच.वाई–105–भारत में धार्मिक विचारधारा एवं आस्था
(MAHY-105- Religious Thoughts and Beliefs in India)

इकाई–1 धर्म, धर्मशास्त्र और धर्मदर्शन की परिभाषा एवं विषय क्षेत्र।

इकाई–2 धार्मिक दर्शन के प्रकार।

इकाई–3 धर्म के विकास की अवस्थाएँ।

इकाई–4 धार्मिक विश्वास के आधारःआस्था, दैवी, प्रकाशन तर्क और रहस्यानुभूति, धार्मिक चेतना।

इकाई–5 अनीश्वरवाद एवं द्वैतवाद।

इकाई–6 धर्म एवं नैतिकता।

इकाई–7 ईश्वर का स्वरूप और ईश्वर के गुण, प्रकृतिवादी ईश्वर की धारणा।

इकाई–8 धार्मिक विकास की परम्परा, भारतीय धर्म परम्परा।

इकाई–9 ईश्वर और धर्म।

इकाई–10 धर्म और विज्ञान, धार्मिक भाषा और विश्लेषणात्मक।

इकाई–11 हिन्दू धर्म।

इकाई–12 जैन धर्म, जैन तीर्थकर।

इकाई–13 जैन सम्प्रदाय।

इकाई–14 जैन धर्म का प्रचार।

इकाई–15 आजीवक मत, श्रमण संघ और उनकी आचार–प्रणाली।

इकाई–16 बौद्ध धर्म।

इकाई–17 ईसाई धर्म।

इकाई–18 इस्लाम धर्म।

इकाई–19 यहूदी धर्म।

इकाई–20 पारसी धर्म।

इकाई–21 कन्फ्यूशियस धर्म।

इकाई–22 ताओवाद, शिन्तो धर्म।

MAHY-106-Second Semester
(Sixth paper)

एम.ए.एच.वाई.–106–भारतीय पारिस्थितिकी एवं पर्यावरण का इतिहास
(MAHY-106-History of Ecology and Environment: India)

इकाई–1 विकास–काल में पारिस्थितिकी और मानव–जाति का विस्तार।

इकाई–2 प्राकृतिक पर्यावरण,नव –प्रस्तर क्रान्ति और सिन्धु घाटी सभ्यता।

इकाई–3 भारत की ताम्र–पाषाणिक संस्कृतियों की प्रमुख विशेषताएँ।

इकाई–4 कायथा ताम्र–पाषाणिक संस्कृति।

इकाई–05 अहाड़(बनास) ताम्र–पाषाणिक संस्कृति।

इकाई–06 मालवा (नवदाटोली) ताम्र–पाषाणिक संस्कृति।

इकाई–07 जोर्वे–नेवासा ताम्र–पाषाणिक संस्कृति।

इकाई–08 प्राचीन भारत में लौह काल।

इकाई–09 गैरिक मृदभाण्ड परम्परा

इकाई–10 कृष्ण लोहित पात्र परम्परा।

इकाई–11 चित्रित धूसर पात्र परम्परा।

इकाई–12 उत्तरी कृष्ण मार्जित पात्र परम्परा।

इकाई–13 बृहत् पाषाण समाधि संस्कृति।

इकाई–14 भारत–रोम सम्बन्ध।

इकाई–15 कतिपय प्रमुख उत्खनित पुरास्थल–मोहनजोदडों, हड़प्पा,लोथल,हस्तिनापुर, कालीबंगा, सुरकोटदा, धौलावीरा, टोकबा, इमली,कौशाम्बी इत्यादि।

इकाई–16–प्रमुख पुराविद्– जनरल अलेक्जेण्डर कनिंघम,सर जान मार्शल,सर मार्टीमर ह्वीलर,माधोस्वरूप वत्स,अमलानन्द घोष,एच.डी.साँकलिया।

इकाई–17 भारतीय पुरासम्पदा अधिनियम।

इकाई–18 प्राचीन काल (सी 1500–ई.पू.700 ई. में पारिस्थितिकी)।

इकाई–19 मध्यकालीन भारत (सी 700–ई. सी 1750ई. में पारिस्थितिकी)।

इकाई–20 औपनिवेशिक शासन में पारिस्थितिकी।

MAHY-107-Third Semester
(Seventh paper)

एम.ए.एच.वाई.–107–भारत की राजनैतिक संरचना–भाग–1
(MAHY-107-Political Structures of India-part-1)

प्रथम खण्ड–प्राचीन भारतीय राज्य एवं राजनीति–1

इकाई–1 प्राचीन भारतीय राज्य एवं शासन–पद्धति के अध्ययन स्रोत एवं सामग्री।

इकाई–2 वैदिक काल में राजनीतिक विचार एवं संस्थाएँ।

इकाई–3 महाकाव्यों से ज्ञात राजनीतिक विचार एवं प्रशासनिक संस्थाएँ।

इकाई–4 प्राचीन भारत में राज्य की उत्पत्ति और स्वरूप।

इकाई–5 राज्य के प्रकार एवं कार्य।

द्वितीय खण्ड–प्राचीन भारतीय राज्य एवं राजनीति–2

इकाई–6 प्राचीन भारत में जनपद : स्वरूप व संगठन।

इकाई–7 प्राचीन भारतीय गणतन्त्र और उसका संविधान

इकाई–8 ईसापूर्व छठीं सदी में राज्य और साम्राज्य का उदय।

इकाई–9 राजत्व (राजतन्त्र)–उसकी प्रकृति एवं कर्तव्य।

इकाई–10 राजत्व का स्वरूप एवं उस पर नियन्त्रण।

तृतीय खण्ड–प्राचीन भारतीय राज्य एवं राजनीति–3

इकाई–11 प्राचीन भारत में विधिःस्वरूप एवं संहिताकरण।

इकाई–12 धर्मशास्त्रों में राजनीतिक विचार।

इकाई–13 प्राचीन भारत में प्रशासन।

इकाई–14 प्राचीन भारत में अपराध और दण्ड।

इकाई–15 प्राचीन भारत में सैनिक संगठन।

इकाई–16 स्थानीय स्वशासन।

चतुर्थ खण्ड– भारत में भक्ति आन्दोलन एवं सूफीवाद–1

इकाई–17 उद्‌भव और अवधारणा–दक्षिण भारत में भक्ति आन्दोलन।

इकाई–18 शंकराचार्य एवं उनका अद्वैत वेदान्त।

इकाई–19 भारत में भक्ति आन्दोलन का विकास।

इकाई–20 इस्लाम का भक्ति आन्दोलन पर प्रभाव।

इकाई–21–भक्ति सन्तों की विशेषताएँ।

MAHY-108-Third Semester
(Eighth paper)

एम.ए.एच.वाई.–108– भारत की राजनैतिक संरचना–भाग–2
(MAHY-108-Political Structures of India-Part-2)

खण्ड–1 भारत में भक्ति आन्दोलन एवं सूफीवाद–2

इकाई–1 सन्त कबीर का जीवन एवं शिक्षाऍं,नानक एवं शिक्षाएं,खालसा पन्थ,भक्ति आन्दोलन के अन्य सन्त।

इकाई–2 सांस्कृतिक संश्लेषण और भक्ति आन्दोलन।

इकाई–3 भक्त सन्तों का भारतीय समाज एवं संस्कृति में योगदान।

खण्ड–2 भारत में भक्ति आन्दोलन एवं सूफीवाद–3

इकाई–4 भारत के बाहर सूफीवाद की उत्पत्ति और विकास।

इकाई–5 चिश्ती सिलसिले के प्रमुख सन्त और उनका सूफी आन्दोलन।

इकाई–6 भारत में सुहरावर्दी सिलसिले के प्रमुख सूफी तथा उनके सिद्धान्त एवं शिक्षाएं।

इकाई–7 सूफीमत और हिन्दू रहस्यवाद।

इकाई–8 मुस्लिम रहस्यवादी विचारधारा और भारतीय संस्कृति को उसका योगदान।

खण्ड–3 भारत में किसान आन्दोलन (1818–1951 ई0)–1

इकाई–9 भारत में किसान आन्दोलनों का परिचय।

इकाई–10 अंग्रेजी शासन काल के अन्तर्गत भारत में कृषि संरचना।

इकाई–11 राजस्थान में जनजातियों के विद्रोह (1818–1900 ई0)।

इकाई–12 सन्थाल विद्रोह (1855–56)

इकाई–13 नील विद्रोह (1860 ई0)।

खण्ड–4 भारत में किसान आन्दोलन (1818–1951 ई0)–2

इकाई–14 पावना एवं बोगरा क्षेत्रों में कृषको का विद्रोह(1870–1873 ई0)

इकाई–15 दक्षिण भारत में कृषक विद्रोह–1875 ई0।

इकाई–16 राजस्थान एवं गुजरात में जनजातीय विद्रोह(1900–1913 ई0)।

इकाई–17 चम्पारण खेड़ा एवं बारदोली के किसान आन्दोलन।

इकाई–18 बिन्जोलिया सामन्ती एवं उपनिवेशी शासन के विरूद्ध कृषक विद्रोह (1887–1930)।

खण्ड–5 भारत में किसान आन्दोलन (1818–1951 ई0)–3

इकाई–19 प्रथम विश्व युद्धोत्तर कृषि समस्याऍं और जागृति।

इकाई–20 मोपला विद्रोह (1920–22 ई0)।

इकाई–21 उत्तर प्रदेश के किसान आन्दोलन में कांग्रेस और किसान सभा की भूमिका।

इकाई–22 बिहार के किसान आन्दोलनो में कांग्रेस और किसान सभा की भूमिका (1920–1939)।

इकाई–23 बंगाल में तेभागा अन्दोलन (1946–1947 ई0)।

MAHY-109-Third Semester
(Ninth Paper)

एम.ए.एच.वाई.–109–भारतीय अर्थव्यवस्था का इतिहास
MAHY-109- History of Indian Economy

इकाई–1 भारत का सामाजिक,सांस्कृतिक और आर्थिक इतिहास।

इकाई–2 भौगोलिक पृष्ठभूमि और संस्कृति।

इकाई–3 प्रागैतिहासिक और ऐतिहासिक व्यवस्था।

इकाई–4 वैदिक जीवन और विचार।

इकाई–5 राजनीतिक तथा प्रशासनिक संस्थाएँ।

इकाई–6 हिन्दुओं का सामाजिक संगठन।

इकाई–7 आर्थिक जीवन, शिक्षा, पद्धति और साहित्य।

इकाई–8 धर्म तथा दर्शन।

इकाई–9 ललित कलाएँ शिल्प तथा साहित्य।

इकाई–10 विदेशो में भारतीय संस्कृति का प्रभाव।

इकाई–11 राजनीतिक और प्रशासनिक संस्थाएँ।

इकाई–12 समाज और धर्म,आर्थिक स्थिति।

इकाई–13 शिक्षा साहित्य और विज्ञान।

इकाई–14 कला और स्थापत्य।

इकाई–15 समाज और धर्म।

इकाई–16 प्रशासनिक और संवैधानिक घटनाएँ।

इकाई–17 समाज और धर्म।

इकाई–18 आर्थिक जीवन,शिक्षा।

इकाई–19 साहित्य और विज्ञान।

इकाई–20 कला, स्थापत्य।

इकाई–21 संगीत और नृत्य।

MAHY-110-Fourth Semester
(Tenth Paper)

एम.ए.एच.वाई–110–आदिकाल के भारतीय सामाजिक संरचना का क्रमिक विकास
(MAHY-110-Evolution of Social Structures in India through ages)

इकाई–1 प्राचीन भारत में भौतिक प्रगति एवं सामाजिक संरचनाएँ।

इकाई–2 प्राचीन भारत में सामाजिक संरचनाओं की समस्या।

इकाई–3 ऋग्वेद में सम्पत्ति तथा जीविका के प्रकार।

इकाई–4 ऋग्वैदिक समाज में लूट की सम्पत्ति वितरण तथा विभेदीकरण।

इकाई–5 उत्तर वैदिक काल।

इकाई–6 चित्रित धूसर मृदभांड संस्कृति।

इकाई–7 गंगा के उपरी तटवर्ती क्षेत्र में भौगोलिक विकास।

इकाई–8 सामाजिक संरचनाएँ (लगभग 1000–500 ई0 पू0),उत्पादक शक्तियॉ।

इकाई–9 मध्य गंगा के तटवर्ती क्षेत्र में बुद्ध के काल में उनका सामाजिक निहितार्थ।

इकाई–10 बौद्ध धर्म के उत्पत्ति का भौतिक वातातरण।

इकाई–11 बौद्व धर्म का भारतीय संस्कृति में योगदान तथा प्रभाव।

इकाई–12 महाकाव्यों में सामाजिक विकास की प्रवृत्तियॉ।

इकाई–13 वर्ण–जाति व्यवस्था।

इकाई–14 पुरूषार्थ–चतुष्टय।

इकाई–15 विवाह संस्कार।

इकाई–16 वैदिक काल में इतिहास लेखन का सर्वेक्षण।

इकाई–17 ऋृग्वैदिक समाज में सोपानीकरण : साक्ष्य और प्रतिमान

इकाई–18 आर्यो की उत्पति से सम्बन्धित प्रश्न।

इकाई–19 प्रारम्भिक बौद्ध धर्म में सामाजिक सोपानीकरण।

इकाई–20 गहपति की बदलती अवधारणा।

इकाई–21 जाति और हिन्दू धर्म : ब्राह्मणीय एकीकरण के बदलते प्रतिमान।

MAHY-111-Fourth Semester

(Eleventh Paper)

एम.ए.एच.वाई.111–प्लासी से विभाजन तकःआधुनिक भारत का इतिहास

(MAHY-111-Plassey se Vibhajan tak: Adhunik Bharat ka Itihaas)

इकाई 1 अठारहवीं सदी का संक्रमण–मुगल साम्राज्य का पतन।

इकाई 2 क्षेत्रीय शक्तियों का उदय।

इकाई 3 ब्रिटिश साम्राज्य की स्थापना, भारत में ब्रिटिश साम्राज्य, साम्राज्यवादी विचारधारा

इकाई 4 संसद और साम्राज्य, मालगुजारी का दोहन,शासन तंत्र, साम्राज्य और अर्थव्यवस्था।

इकाई 5 आरम्भिक भारतीय प्रत्युत्तरसुधार और विद्रोह,सामाजिक और धार्मिक सुधार।

इकाई 6 1857 का विद्रोह, किसान और आदिवासी विद्रोह।

इकाई 7 भारतीय राष्ट्रवाद का उदय– भारतीय राष्ट्रवाद का इतिहास–लेखन।

इकाई 8 कृषक समाज और कृषक असंतोष,नया मध्यवर्ग और राष्ट्रवाद का उदय।

इकाई 9 भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की स्थापना, आरम्भिक राष्ट्रवाद–असंतोष और विरोध, नरमपंथी नेतृत्व और आर्थिक।

इकाई 10 राष्ट्रवाद, हिंदू पुनरूत्थानवाद और राजनीति,गरमपंथी राजनीति का उदय और स्वदेशी आन्दोलन।

इकाई 11 मुस्लिम राजनीति और मुस्लिम लीग की स्थापना।

इकाई 12 गॉधीवादी राजनीति का युग–सीमित स्वशासन का प्रलोभन 1909–19।

इकाई 13 महात्मा गॉधी का आगमन,खिलाफत और सहयोग आन्दोलन,सविनय अवज्ञा आन्दोलन।

इकाई 14 1935 का अधिनियम कागजी संघ और रजवाडें।

इकाई 15 भारतीय राष्ट्र के विभिन्न स्वर, मुसलमानो का अलगाव।

इकाई 16 गैर–ब्राह्मणो और दलित प्रतिरोध,व्यापार और राजनीति।

इकाई 17–मजदूर वर्ग के आन्दोलन,स्त्रियों की भागीदारी, विभाजन के साथ स्वतंत्रता।

इकाई 18 भारत छोड़ों आन्दोलन, उथल–पुथल का दशक, विभाजन के साथ स्वतंत्रता की दिशा।

इकाई 19 स्वतंत्रता और विभाजन के पश्चात, परिवर्तन का काल, विभाजन और शरणार्थी।

इकाई 20 कश्मीर, हैदराबाद और साम्यवाद।

इकाई 21 संविधान एवं लोकतंत्र।

इकाई 22 नेहरूवादी राष्ट्र और इसकी राजनीति,कांग्रेस प्रणाली का पतन।

MAHY-112-Fourth Semester
(Twelfth Paper)

एम.ए.एच.वाई.–112–विश्व की प्राचीन सभ्यताएं
(MAHY-112- Ancient World Civilizations)

इकाई–1 : प्रागितिहास और सभ्यता का जन्म।

खण्ड 1 : भारत

इकाई 2 : पुरा–ऐतिहासिक काल (सैन्धव और वैदिक सभ्यताएँ)।

खण्ड 2 : पश्चिमी एशिया

इकाई 3 : पश्चिमी एशिया का भूगोल और जातियाँ।

इकाई 4 : सुमेरियन इतिहास और सभ्यता।

इकाई 5 : बैबिलोनियन इतिहास और सभ्यता।

इकाई 6 : प्रतिस्पर्धी साम्राज्यों का युग।

इकाई 7 : हित्ती इतिहास और सभ्यता।

इकाई 8 : असीरियन साम्राज्य और सभ्यता।

इकाई 9 : असीरियन साम्राज्य के प्रतिस्पर्धी और शत्रु।

इकाई 10: यहूदी इतिहास और सभ्यता।

इकाई 11: क़ैल्डियन पुनर्जागरण।

खण्ड 3 : मिस्त्र

इकाई 12 : पिरेमिड युग।

इकाई 13 : मध्य राज्य–युग।

इकाई 14 : साम्राज्य युग।

खण्ड 4 : ईजियन

इकाई 15 : ईजियन सभ्यता।

खण्ड 5–यूनान

इकाई 16 : होमर–काल और 'क्लासिकल' यूनान का जन्म।

इकाई 17 : पाँचवी शताब्दी : पेरिक्लिज़ का युग।

इकाई 18 : चतुर्थ शताब्दी : क्लासिकल युग का अवसान।

खण्ड 6 : रोम

इकाई 19 **:** रोमन का उदय।

खण्ड 7 : ईरान

इकाई 20 : प्राकू–हख़ामशी युग।

इकाई 21 : हख़ामशी साम्राज्य और सभ्यता।

खण्ड 8 : चीन

इकाई 22 : चीनी सभ्यता का जन्म।